सीबीएसई स्कूलों के लिए 9828 ने दी परीक्षा, 1466 नहीं पहुंचे

स्कूल शिक्षा बोर्ड ने प्रदेशभर में बनाए थे 24 परीक्षा केंद्र

संवाद सहयोगी, जागरण • धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने सीबीएसई स्कूलों में पढ़ाने के लिए शिक्षकों की परीक्षा का आयोजन रविवार को किया। परीक्षा में 9828 ने भाग लिया। हालांकि 11,294 ने पंजीकरण करवाया था लेकिन 87 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने भाग नहीं लिया। 1466 नहीं पहुंचे। परीक्षा प्रदेशभर में 24 केंद्रों में संचालित की गई। आगामी शैक्षणिक सत्र से प्रदेश के 140 स्कूलों को सीबीएसई से संबद्ध किया है और इसके लिए विभिन्न श्रेणियों के 5623 पद भरे जाने हैं।

प्रदेश सरकार की नई नीति के अनुसार परीक्षा में सफल होने वालों का चयन मेरिट के आधार पर किया जाएगा। चयनित होने वाले अभ्यर्थियों को प्रदेश के सीबीएसई स्कूलों में अगले 10 वर्ष के लिए नियुक्त किया जाएगा। परीक्षा में सबसे अधिक अभ्यर्थियों की भागीदारी कांगड़ा, शिमला और मंडी जिलों में देखने को मिली। कांगड़ा जिले में परीक्षा के लिए विशेष उत्साह देखा गया। एमसीएम डीएवी कालेज कांगड़ा में 886, डिग्री कालेज धर्मशाला में 452 और विक्रम बत्रा कालेज पालमपुर में 451 ने परीक्षा दी।

शिमला जिले के सेंट बीड्स कालेज में 829, राजकीय कन्या महाविद्यालय में 727 और पोर्टमोर स्कूल में 341 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। मंडी जिले के वल्लभ कालेज में 471 और जोगेंद्रनगर कालेज में 410 शिक्षक परीक्षा देने पहुंचे। हमीरपुर जिले के नेताजी सुभाष चंद्र मेमोरियल पीजी कालेज में 533 और सिरमौर के नाहन स्थित डा. वाईएस परमार पीजी कालेज में 658 शिक्षकों ने भाग लिया। नालागढ़ डिग्री कालेज में 397 और सोलन कालेज में 213 ने परीक्षा दी।

बिलासपुर के स्वामी विवेकानंद कालेज घुमारवीं में 303 और झंडूता कालेज में 202 ने अनुशासन के साथ उपस्थिति दर्ज कराई। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि यह परीक्षा शिक्षकों की गुणवत्ता और सीबीएसई प्रणाली के प्रति उनकी तत्परता को जांचने का महत्वपूर्ण पैमाना है। 11,294 में से 9828 ने परीक्षा दी।

11,294 ने करवाया था पंजीकरण, 87 प्रतिशत ने आजमाया भाग्य

40 स्कूलों को सीबीएसई से किया है संबद्ध

शिक्षकों के 5623 पद भरे जाने हैं

इन विषयों के लिए हुई परीक्षा

टीजीटी (आर्ट्स, नान मेडिकल, मेडिकल), संस्कृत, हिंदी, अंग्रेजी, कामर्स, गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान, इतिहास, राजनीतिक विज्ञान, अर्थशास्त्र व ड्राइंग मास्टर।

मैंने बतौर आब्जर्वर डिग्री कालेज पालमपुर में बनाए परीक्षा केंद्र में सेवाएं दीं। सीबीएसई स्कूलों के लिए शिक्षकों की परीक्षा को नियमों के तहत केंद्र में संचालित किया गया। परीक्षा दिन में 11 बजे शुरू हुई और दोपहर एक बजे संपन्न हुई।

-अजय सम्बयाल, उपनिदेशक प्रारंभिक शिक्षा विभाग कांगड़ा।

मैं घलौर की रहने वाली हूं और मौजूदा समय में राजकीय वरिष्ठ

माध्यमिक पाठशाला छात्र देहरा में कार्यरत हूं। मैंने धर्मशाला में परीक्षा दी है। यह अनुभव काफी विशेष रहा। -ज्योति वीमान।

मैं परागपुर स्कूल में तैनात हूं। यह अलग अनुभव जीवन में रहा है। शिक्षक होने के

बाद दोबारा परीक्षा देना काफी चुनौतीपूर्ण रहता है। मैंने इसके लिए काफी मेहनत की थी।

-विवेक शर्मा।

मैं राजकीय माडल वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कोटला में कार्यरत हूं। मेरी

नौकरी लगे कुछ ही समय हुआ है इसलिए परीक्षा देने में किसी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ा।

-कुनाल राज सैनी।

मैं रैत स्कूल में कार्यरत हूं। मैंने डिग्री कालेज धर्मशाला में बनाए केंद्र में परीक्षा

दी है। परीक्षा बेहतर रही और नया अनुभव प्राप्त हुआ है। अन्य अभ्यर्थियों ने भी भाग्य आजमाया।

-रितिका।

सीबीएसई स्कूलों के लिए 9828 अध्यापकों ने दी परीक्षा

प्रदेश में 24 केंद्रों पर हुआ परीक्षा का आयोजन, मेरिट पर होगा चयन

हिमाचल दस्तक ■ शिमला /धर्मशाला

प्रदेश में सरकार द्वारा बनाए गए सीबीएसई स्कूलों में अध्यापकों की तैनाती को लेकर रविवार को प्रदेशभर में परीक्षा आयोजित की गई। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि प्रदेश के 24 केंद्रों पर इस परीक्षा का आयोजन किया गया। प्रदेश सरकार की नई नीति के अनुसार, इस परीक्षा में सफल होने वाले शिक्षकों का चयन पूरी तरह से मेरिट के आधार पर किया जाएगा।

चयनित होने वाले इन अध्यापकों को प्रदेश के नवनिर्धारित सीबीएसई स्कूलों में अगले 10 वर्षों के लिए नियुक्त किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार इस परीक्षा में 9828 अध्यापक उपस्थित थे, जबकि 1466 अध्यापक इस परीक्षा से गैर हाजिर रहे हैं। राज्य सरकार ने लगभग 150 सीबीएसई स्कूल चयनित किए हैं। जिनमें अलगे सत्र में अध्यापकों को लगाया जाना है। बच्चों को इन स्कूलों में गुणवता शिक्षा मिले, इसके लिए सरकार ने अध्यापकों के चयन की प्रक्रिया चला रखी है। शिक्षा विभाग से संबंध अध्यापकों को ही पहले इन स्कूलों मं लगाया जाएगा, जिनके लिए पहले उनकी परीक्षा ली गई है। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले अध्यापकों को मेरिट के अधार पर सीबीएसई स्कूलों में लगाया जाएगा। इसके बाद जो सीटें खाली रहेंगी उसमें सरकार नई भर्तियां करेगी। जानकारी के अनुसार धर्मशाला में 452, चंबा में 316, कांगड़ा 886, नगरोटा बगवां में 287, मंडी में 278, वल्लभ कॉलेज मंडी में 471, जोगिंद्रनगर में 410, पटेल यूनिवर्सिटी मंडी में 298 व आईटीआई मंडी में 194 अध्यापकों ने परीक्षा दी है। वहीं पालमपुर में 451, पॉलिटेक्निक कॉलेज सुंदरनगर में 194, संस्कृत कॉलेज संदरनगर में 172, भोरंज में 337, डिग्री कॉलेज हमीरपुर में 533, पॉलिटेक्निक कॉलेज हमीरपुर में 182, डिग्री कॉलेज भोरंज में 252, सुजानपुर टिहरा में 259, पोर्टमोर स्कूल शिमला में 341, डिग्री कॉलेज बिलासपुर में 186, घुमारवीं में 303, झंडूता में 201, आरकेएमवी कॉलेज शिमला में 727, सेंट बिड्स कॉलेज शिमला में 829, डिग्री कॉलेज नाहन में 658, सोलन में 213 तथा नालागढ़ में 397 अध्यापकों ने सीबीएसई के लिए आयोजित परीक्षा में भाग लिया।

सीबीएसई सब-कैडर को 9828 ने दी परीक्षा

मैरिट के आधार पर 10 साल के लिए होगी शिक्षकों की तैनाती, मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद जल्द जारी होगी सूची

नगर संवाददाता – धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों को सीबीएसई पैटर्न पर लाने की प्रक्रिया के तहत शिक्षकों के चयन के लिए आयोजित योग्यता परीक्षा में 9828 शिक्षकों ने भाग लिया। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि बोर्ड द्वारा प्रदेश के 26 केंद्रों पर यह परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें कुल 11294 शिक्षकों को बुलाया गया था और लगभग 87 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। इस चयन प्रक्रिया के तहत सफल शिक्षकों को मैरिट के आधार पर चुना जाएगा और उन्हें सीबीएसई प्रणाली वाले निर्धारित स्कूलों में 10 वर्षों के लिए तैनात किया जाएगा। यह परीक्षा राज्य के मौजूदा शिक्षकों की विषयगत क्षमता और नई प्रणाली के अनुरूप उनकी तैयारी को परखने के उद्देश्य से आयोजित की गई। जिलावार आंकड़ों के अनुसार कांगड़ा, शिमला और मंडी में सबसे अधिक भागीदारी रही। कांगड़ा के एमसीएस डीएवी कालेज केंद्र में 886 शिक्षक शामिल हुए, जबकि

धर्मशाला पीजी कालेज में 452 तथा कैप्टन विक्रम बत्रा कालेज पालमपुर में 451 शिक्षकों ने परीक्षा दी। शिमला में सेंट बीड्स कालेज में 829, राजकीय कन्या महाविद्यालय में 727 और पोर्टमोर स्कूल में 341 शिक्षक उपस्थित रहे। मंडी के वल्लभ कालेज और जोगिंदरनगर कालेज में क्रमश: 471 और 410 शिक्षकों ने भाग लिया। अन्य केंद्रों में हमीरपुर के अणु स्थित नेताजी सुभाष चंद्र मेमोरियल

- आवेदन करने वालों में से 87 प्रतिशत टीचर पहुंचे

पीजी कालेज में 533, नाहन के डा. वाईएस परमार कालेज में 658, नालागढ़ में 397 और सोलन में 213 शिक्षकों ने परीक्षा दी। बिलासपुर के घुमारवीं और झंडूता केंद्रों पर क्रमश: 303 और 202 शिक्षक शामिल हुए। अब चयन प्रक्रिया की अगली कड़ी के रूप में बोर्ड मैरिट सूची तैयार करेगा, जिसके आधार पर शिक्षकों की तैनाती तय की जाएगी।

26 सेंटर्ज में स्क्रीनिंग टेस्ट

धर्मशाला। प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रदेश के 134 सीबीएसई संबद्ध सरकारी स्कूलों में सीबीएसई सब-कैडर-2026 के तहत विभिन्न श्रेणियों के पांच हजार 623 पदों को प्रतिनियुक्ति (डेपुटेशन) के आधार पर भरने के लिए रविवार को प्रदेश भर के 26 केंद्रों में स्क्रीनिंग टेस्ट सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और अभ्यर्थियों में उत्साह देखने को मिला। केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में पर्यवेक्षक और स्टाफ तैनात किया गया था, वहीं सुरक्षा के भी विशेष इंतजाम किए गए थे, ताकि किसी प्रकार की अनियमितता न हो। साथ ही साथ अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए समय पर प्रवेश, बैठने की व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाएं भी सुनिश्चित की गईं। परीक्षा के सफल आयोजन के बाद अब बोर्ड द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जाएगी, जिसके आधार पर मैरिट सूची तैयार की जाएगी। इसके बाद योग्य अभ्यर्थियों को आगामी चयन प्रक्रिया के तहत चरणबद्ध तरीके से नियुक्ति दी जाएगी।

9,828 बनना चाहते सीबीएसई शिक्षक

हिमाचल के सरकारी स्कूलों में सीबीएसई के लिए परीक्षा, बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश ने साझा किए आंकड़े

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों को सीबीएसई पैटर्न पर ढालने की दिशा में सुक्खू सरकार ने एक और बड़ा कदम बढ़ाया है। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पहले से कार्यरत शिक्षकों को अब सीबीएसई के तहत संचालित होने वाले विशेष स्कूलों में तैनात करने के लिए एक विशेष चयन प्रक्रिया शुरू की गई है। इसी कड़ी में हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित योग्यता परीक्षा में प्रदेश के हजारों शिक्षकों ने अपनी प्रतिभा और विषय ज्ञान का प्रदर्शन किया।

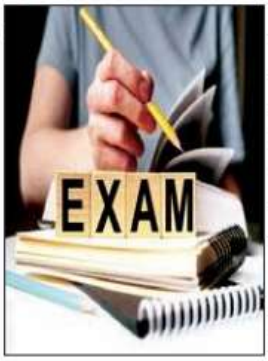

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस परीक्षा की आधिकारिक उपस्थिति रिपोर्ट जारी करते हुए बताया कि प्रदेश के 24 केंद्रों पर कुल 9,828 शिक्षकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। यह परीक्षा केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि उन शिक्षकों के लिए एक सुनहरा अवसर है जो भविष्य में सीबीएसई मानकों के अनुरूप शिक्षा प्रदान करने की बड़ी जिम्मेदारी संभालना चाहते हैं। हिमाचल सरकार की नई नीति के अनुसार, इस परीक्षा में सफल होने वाले शिक्षकों का चयन पूरी तरह से मेरिट के आधार पर किया जाएगा।

चयनित होने वाले इन गुरुजनों को प्रदेश के नव-निर्धारित सीबीएसई स्कूलों में अगले 10 वर्षों के लिए नियुक्त किया जाएगा। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस संबंध में कहा कि यह परीक्षा शिक्षकों की गुणवत्ता और सीबीएसई प्रणाली के प्रति उनकी तत्परता को जांचने का एक महत्वपूर्ण पैमाना है। बोर्ड बेहद पारदर्शी तरीके से मेरिट सूची तैयार कर रहा है ताकि केवल सर्वश्रेष्ठ और योग्य शिक्षक ही इन विशेष स्कूलों का नेतृत्व कर सकें और सरकारी शिक्षा के स्तर को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकें। परीक्षा के आंकड़ों का जिलावार विश्लेषण करें तो कांगड़ा, शिमला और मंडी जिलों में शिक्षकों की सबसे अधिक भागीदारी देखने को मिली है। कांगड़ा जिले में इस चयन प्रक्रिया को लेकर विशेष उत्साह देखा गया, जहां अकेले एमसीएम डीएवी कॉलेज, कांगड़ा केंद्र पर सबसे अधिक 886 शिक्षक अपनी उपस्थिति दर्ज कराने पहुंचे। इसके साथ ही धर्मशाला गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज में 452 और पालमपुर के शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा कॉलेज में 451 शिक्षकों ने मेरिट में स्थान बनाने के लिए पसीना बहाया। शिमला जिले में भी गुरुजनों का भारी हुजूम उमड़ा, जहाँ सेंट बेड्स कॉलेज में 829, राजकीय कन्या महाविद्यालय में 727 और पोर्टमोर स्कूल में 341 शिक्षक परीक्षा में शामिल हुए। मंडी जिले के केंद्रों पर भी कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जहां वल्लभ कॉलेज में 471 और जोगिंदरनगर कॉलेज में 410 शिक्षक परीक्षा देने पहुंचे।

मेरिट से तय होगा शिक्षकों का 10 साल का भविष्य

प्रमुख केंद्रों की विस्तृत रिपोर्ट के अनुसार, हमीरपुर जिले के अनु स्थित नेताजी सुभाष चंद्र मेमोरियल पीजी कॉलेज में 533 और नाहन के डॉ. वाईएस परमार पीजी कॉलेज में 658 शिक्षकों ने अपनी दावेदारी पेश की। सिरमौर और सोलन जैसे क्षेत्रों में भी शिक्षकों की उपस्थिति काफी प्रभावी रही, जहाँ नालागढ़ डिग्री कॉलेज में 397 और सोलन कॉलेज में 213 शिक्षकों ने परीक्षा दी। बिलासपुर जिले के स्वामी विवेकानंद कॉलेज घुमारवीं में 303 और झंडूता कॉलेज में 202 शिक्षकों ने अनुशासन के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। डॉ. राजेश शर्मा द्वारा साझा की गई इस रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेशभर के 24 केंद्रों पर कुल 11,294 शिक्षकों को आमंत्रित किया गया था, जिनमें से लगभग 87 प्रतिशत शिक्षकों ने इस महा-परीक्षा में हिस्सा लिया। अब सबकी नजरें बोर्ड द्वारा तैयार की जाने वाली मेरिट सूची पर टिकी हैं, जो इन शिक्षकों के अगले 10 साल का कार्यक्षेत्र तय करेगी।

हिमाचल के सरकारी स्कूलों में सीबीएसई के लिए शिक्षकों की बड़ी परीक्षा

धर्मशाला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों को सीबीएसई पैटर्न पर ढालने की दिशा में सुक्खू सरकार ने एक और बड़ा कदम बढ़ाया है। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पहले से कार्यरत शिक्षकों को अब सीबीएसई के तहत संचालित होने वाले विशेष स्कूलों में तैनात करने के लिए एक विशेष चयन प्रक्रिया शुरू की गई है। इसी कड़ी में हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित योग्यता परीक्षा में प्रदेश के हजारों शिक्षकों ने अपनी प्रतिभा और विषय ज्ञान का प्रदर्शन किया। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस परीक्षा की आधिकारिक उपस्थिति रिपोर्ट जारी करते हुए बताया कि प्रदेश के 24 केंद्रों पर कुल 9,828 शिक्षकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। यह परीक्षा केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि उन शिक्षकों के लिए एक सुनहरा अवसर है जो भविष्य में सीबीएसई मानकों के अनुरूप शिक्षा प्रदान करने की बड़ी जिम्मेदारी संभालना चाहते हैं। हिमाचल सरकार की नई नीति के अनुसार, इस परीक्षा में सफल होने वाले शिक्षकों का चयन पूरी तरह से मेरिट के आधार पर किया जाएगा। चयनित होने वाले इन गुरुजनों को प्रदेश के नव-निर्धारित सीबीएसई स्कूलों में अगले 10 वर्षों के लिए नियुक्त किया जाएगा। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस संबंध में कहा कि यह परीक्षा शिक्षकों की गुणवत्ता और सीबीएसई प्रणाली के प्रति उनकी तत्परता को जांचने का एक महत्वपूर्ण पैमाना है। बोर्ड बेहद पारदर्शी तरीके से मेरिट सूची तैयार कर रहा है ताकि केवल सर्वश्रेष्ठ और योग्य शिक्षक ही इन विशेष स्कूलों का नेतृत्व कर सकें और सरकारी शिक्षा के स्तर को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकें। परीक्षा के आंकड़ों का जिलावार विश्लेषण करें तो कांगड़ा, शिमला और मंडी जिलों में शिक्षकों की सबसे अधिक भागीदारी देखने को मिली है। कांगड़ा जिले में इस चयन प्रक्रिया को लेकर विशेष उत्साह देखा गया, जहाँ अकेले स्ष्टरूछ्ङ्क कॉलेज, कांगड़ा केंद्र पर सबसे अधिक 886 शिक्षक अपनी उपस्थिति दर्ज कराने पहुँचे। इसके साथ ही धर्मशाला गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज में 452 और पालमपुर के शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा कॉलेज में 451 शिक्षकों ने मेरिट में स्थान बनाने के लिए पसीना बहाया। शिमला जिले में भी गुरुजनों का भारी हुजूम उमड़ा, जहाँ सेंट बेड्स कॉलेज में 829, राजकीय कन्या महाविद्यालय में 727 और पोर्टमोर स्कूल में 341 शिक्षक परीक्षा में शामिल हुए। मंडी जिले के केंद्रों पर भी कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जहाँ वल्लभ कॉलेज में 471 और जोगिंदरनगर कॉलेज में 410 शिक्षक परीक्षा देने पहुँचे। प्रमुख केंद्रों की विस्तृत रिपोर्ट के अनुसार, हमीरपुर जिले के अनु स्थित नेताजी सुभाष चंद्र मेमोरियल पीजी कॉलेज में 533 और नाहन के डॉ. वाई.एस. परमार पीजी कॉलेज में 658 शिक्षकों ने अपनी दावेदारी पेश की। सिरमौर और सोलन जैसे क्षेत्रों में भी शिक्षकों की उपस्थिति काफी प्रभावी रही, जहाँ नालागढ़ डिग्री कॉलेज में 397 और सोलन कॉलेज में 213 शिक्षकों ने परीक्षा दी।

डिजिटल अख़बार
पहली नज़र
सबसे पहले, सबसे तेज
22 मार्च, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com
पहली नज़र
आज की ताजा ख़बर देखते रहिए डिजिटल न्यूज़ पेपर पहली नज़र के साथ

हिमाचल के सरकारी स्कूलों में 'सीबीएसई' के लिए शिक्षकों की बड़ी परीक्षा

पहली नजर ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों को सीबीएसई (CBSE) पैटर्न पर ढालने की दिशा में सरकार ने एक और बड़ा कदम बढ़ाया है। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पहले से कार्यरत शिक्षकों को अब सीबीएसई के तहत संचालित होने वाले विशेष स्कूलों में तैनात करने के लिए एक विशेष चयन प्रक्रिया शुरू की गई है। इसी कड़ी में हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित योग्यता परीक्षा में प्रदेश के हजारों शिक्षकों ने अपनी प्रतिभा और विषय ज्ञान का प्रदर्शन किया।

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस परीक्षा की आधिकारिक उपस्थिति रिपोर्ट (Attendance Report) जारी करते हुए बताया कि प्रदेश के 26 केंद्रों पर कुल 9,828 शिक्षकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। यह परीक्षा केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि उन

11,000 गुरुजनों ने दिखाई मेरिट की जंग

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने साझा किए आंकड़े, प्रदेश भर में 9,828 शिक्षकों ने दी उपस्थिति

मेरिट से तय होगा 10 साल का भविष्य

शिक्षकों के लिए एक सुनहरा अवसर है जो भविष्य में सीबीएसई मानकों के अनुरूप शिक्षा प्रदान करने की बड़ी जिम्मेदारी संभालना चाहते हैं।

हिमाचल सरकार की नई नीति के अनुसार, इस परीक्षा में सफल होने वाले शिक्षकों का चयन पूरी तरह से मेरिट के आधार पर किया जाएगा। चयनित होने वाले इन गुरुजनों को प्रदेश के नव-निर्धारित सीबीएसई स्कूलों में अगले 10 वर्षों

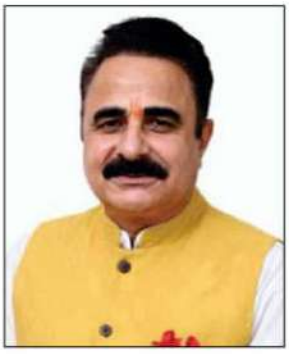

के लिए नियुक्त किया जाएगा। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस संबंध में कहा कि यह परीक्षा शिक्षकों की गुणवत्ता और सीबीएसई प्रणाली के प्रति उनकी तत्परता को जांचने का एक महत्वपूर्ण पैमाना है। बोर्ड बेहद पारदर्शी तरीके से मेरिट सूची तैयार कर रहा है ताकि केवल सर्वश्रेष्ठ और योग्य शिक्षक ही इन विशेष स्कूलों का नेतृत्व कर सकें और सरकारी शिक्षा के स्तर को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकें।

परीक्षा के आंकड़ों का जिलावार विश्लेषण करें तो कांगड़ा, शिमला और मंडी जिलों में शिक्षकों की सबसे अधिक भागीदारी देखने को मिली है। कांगड़ा जिले में इस चयन प्रक्रिया को लेकर विशेष उत्साह देखा गया, जहां अकेले MCM DAV कॉलेज, कांगड़ा केंद्र पर सबसे अधिक 886 शिक्षक अपनी उपस्थिति दर्ज कराने पहुँचे। इसके साथ ही धर्मशाला गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज में 452 और पालमपुर के शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा कॉलेज में 451 शिक्षकों ने मेरिट में स्थान बनाने के लिए पसीना बहाया। शिमला जिले में भी गुरुजनों का भारी हुजूम उमड़ा, जहां सेंट बेड्स कॉलेज में 829, राजकीय कन्या महाविद्यालय में 727 और पोर्टमोर स्कूल में 341 शिक्षक परीक्षा में शामिल हुए। मंडी जिले के केंद्रों पर भी कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जहां वल्लभ कॉलेज में 471 और जोगिंदरनगर कॉलेज में 410 शिक्षक परीक्षा देने पहुंचे।

प्रमुख केंद्रों की विस्तृत रिपोर्ट के अनुसार, हमीरपुर जिले के अनुस्थित नेताजी सुभाष चंद्र मेमोरियल पीजी कॉलेज में 533 और नाहन के डॉ. वाई.एस. परमार पीजी कॉलेज में 658 शिक्षकों ने अपनी दावेदारी पेश की। सिरमौर और सोलन जैसे क्षेत्रों में भी शिक्षकों की उपस्थिति काफी प्रभावी रही, जहां नालागढ़ डिग्री कॉलेज में 397 और सोलन कॉलेज में 213 शिक्षकों ने परीक्षा दी। बिलासपुर जिले के स्वामी विवेकानंद कॉलेज घुमारवीं में 303 और झंडूता कॉलेज में 202 शिक्षकों ने अनुशासन के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। डॉ. राजेश शर्मा द्वारा साझा की गई इस रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश भर के 26 केंद्रों पर कुल 11,294 शिक्षकों को आमंत्रित किया गया था, जिनमें से लगभग 87 प्रतिशत शिक्षकों ने इस महा-परीक्षा में हिस्सा लिया। अब सबकी नजरें बोर्ड द्वारा तैयार की जाने वाली मेरिट सूची पर टिकी हैं, जो इन शिक्षकों के अगले 10 साल का कार्यक्षेत्र तय करेगी।

A Major Test for Teachers in Himachal's Government Schools for CBSE Integration

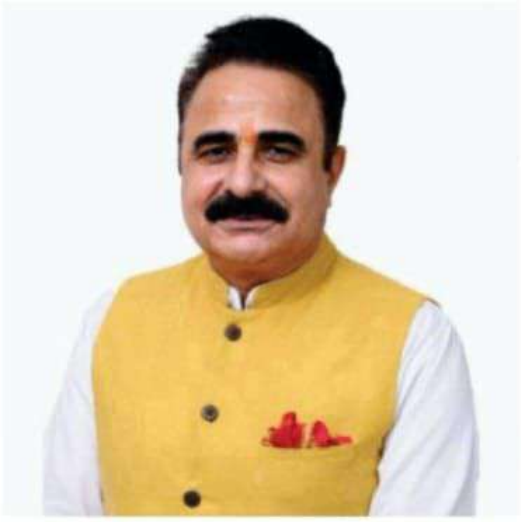

SANJAY AGGARWAL

DHARAMSHALA MAR 22: The Sukhu government has taken another significant step toward aligning Himachal Pradesh's government schools with the CBSE pattern. A special selection process has been initiated to deploy teachers currently serving in the state's government schools to specialized institutions that will now operate under the CBSE framework. In this context, thousands of teachers across the state demonstrated their talent and subject-matter expertise in a qualifying examination organized by the Himachal Pradesh Board of School Education.

Releasing the official attendance report for the examination, Dr. Rajesh Sharma, Chairman of the Himachal Pradesh Board of School Education, stated that a total of 9,828 teachers registered their attendance across 24 centers throughout the state. This examination is not merely a formality; rather, it represents a golden opportunity for those teachers who aspire to shoulder the significant responsibility of imparting education in accordance with CBSE standards in the future. In accordance with the Himachal government's new policy, the selection of teachers who successfully clear this examination will be based entirely on merit. These selected educators will be appointed to the state's newly designated CBSE schools for a tenure of 10 years. Speaking on the matter, Board Chairman Dr. Rajesh Sharma remarked that this examination serves as a crucial benchmark for assessing the quality of teachers and their readiness to adapt to the CBSE system. The Board is preparing the merit list with utmost transparency to ensure that only the most competent and qualified teachers are selected to lead these specialized schools, thereby elevating the standards of government education to new heights.A district-wise analysis of the examination statistics reveals the highest levels of teacher participation in the districts of Kangra, Shimla, and Mandi. Particular enthusiasm regarding this selection process was observed in Kangra district, where the MCM DAV College center alone recorded the highest attendance, with 886 teachers appearing for the examination. Additionally, 452 teachers at the Government Degree College in Dharamshala and 451 teachers at the Shaheed Captain Vikram Batra College in Palampur put in their best efforts to secure a place on the merit list. A massive turnout of teachers was witnessed in Shimla district as well, where 829 teachers appeared for the examination at St. Bede's College, 727 at the Government Girls' College, and 341 at Portmore School. Stiff competition was also observed at centers in Mandi district, where 471 teachers arrived to take the exam at Vallabh College and 410 at Jogindernagar College. According to a detailed report on the major centers, 533 teachers presented their candidature at the Netaji Subhash Chandra Memorial PG College in Anu (Hamirpur district), while 658 did so at the Dr. Y.S. Parmar PG College in Nahan. Teacher attendance remained notably strong in regions such as Sirmaur and Solan, with 397 teachers taking the exam at Nalagarh Degree College and 213 at Solan College. In Bilaspur district, 303 teachers at Swami Vivekananda College (Ghumarwin) and 202 at Jhandutta College marked their presence with discipline. According to this report shared by Dr. Rajesh Sharma, a total of 11,294 teachers were invited across 24 centers throughout the state, of whom approximately 87 percent participated in this mega-examination. All eyes are now fixed on the merit list to be prepared by the Board—a list that will determine the professional trajectory of these teachers for the next ten years.